JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : संस्कृत

(परीक्षा-प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

प्राथमिक स्तर (कक्षा - 1 से 5 हेतु)	
क्र.	पाठ्य - वस्तु
1	अपठित-गद्यांश
2	व्याकरणम्- वर्णो का उच्चारण स्थान, सन्धि, समास, कारक-उपपद-विभक्ति, लिङ्ग, विभक्ति, उपसर्ग, अव्यय, अशुद्धि-संशोधन।
	प्रत्यय
	कृदन्त - तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, तव्यत्, अनीयर्, शतृ - शानच्, क्त, क्तवतु, यत्, ण्यत्। स्त्री प्रत्यय - टाप्, ङीप्।
	शब्द-भण्डार
	पर्यायवाची, विलोमपद, विशेषण-विशेष्य, समयवाचक-शब्द, संख्यावाचि-शब्द।
	शब्दरूप -
	अकारान्त बालकवत्, अकारान्त नपु. फलवत्, आकारान्त स्त्री. लतावत्, इकारान्त पु. मुनिवत्, ईकारान्त स्त्री. नदीवत्, उकारान्त पु. साधुवत्, इकारान्त नपु. वारिवत्।
	सर्वनाम शब्द- अस्मद्, युष्मद्।
	(एतत्, तत्, इदम्, किम्, सर्व) - तीनों लिंगों में ।
	धातुरूप -
	परस्मैपदी - गम्, पठ्, दृश्, दा, कृ, विद्, भू, अस्, नम्, घ्रा, पा, लिख्, क्रीड्, श्रु।
	आत्मनेपदी- सेव्, लभ्, वृत्, याच् (लट् - लङ्- लृट्- लोट्- विधिलिङ्)
3	लौकिक साहित्य-
	रामायणम्, महाभारतम्, श्रीमद्भगवद्गीता, कादम्बरी, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् सामान्य परिचय।
4	संस्कृत ग्रंथ एवं रचनाकारों का सामान्य परिचय।
5	शिक्षाशास्त्र - भाषा-कौशल- दैनिक जीवन की अभिव्यक्तियां।
	संस्कृत शिक्षण की विधियां - प्रत्यक्ष विधि, अनुवाद विधि, व्याकरण विधि।
7	राष्ट्रीय शिक्षा नीति'2020 के संदर्भ में प्रावधान

14.03.26 N.Rani 14.03.2026 14/03/2026 14/3/2026 14/3/26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)

JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा – 6 से 8 हेतु)	
क्र.	पाठ्य – वस्तु
1	अपठित–गद्यांशः
2	व्याकरणम्– वर्ण, सन्धि, समास, कारक–उपपद–विभक्ति, लिङ्ग, विभक्ति, उपसर्ग, अव्यय, वाच्य एवं अशुद्धि–संशोधन।
	प्रत्यय
	कृदन्त – तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, तव्यत्, अनीयर्, शतृ – शानच्, क्त, क्तवतु, यत्, ण्यत्।
	तद्धित– मतुप्, णिनि, ठक्, त्व, तल्।
	स्त्री प्रत्यय – टाप्, ङीप् ।
	शब्द–भण्डार– पर्यायवाची, विलोमपद, विशेषण–विशेष्य, समयवाचक–शब्द, संख्यावाचि–शब्द।
	शब्दरूप – अकारान्त बालकवत्, अकारान्त नपु. फलवत्, आकारान्त स्त्री. लतावत्, इकारान्त पु. मुनिवत्, ईकारान्त स्त्री. नदीवत्, उकारान्त पु. साधुवत्, ऋकारान्त पु. पितृवत्, ऋकारान्त स्त्री. मातृवत्, इकारान्त नपु. वारिवत्।
	सर्वनाम शब्द– अस्मद्, युष्मद्। (एतत्, तत्, इदम्, किम्, सर्व) – तीनों लिंगों में ।
	हलन्त शब्द– राजन्, आत्मन्, विद्वस्, गच्छत्।
	धातुरूप – परस्मैपदी – गम्, पठ्, दृश्, दा, कृ, विद्, भू, अस्, नम्, घ्रा, पा, लिख्, क्रीड्, श्रु।
	आत्मनेपदी– सेव्, लभ्, वृत्, याच् (लट् – लङ्– लृट्– लोट्– विधिलिङ्)
3	वैदिक–साहित्य – ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, पुराण, उपनिषद् का सामान्य ज्ञान।
4	लौकिक साहित्य– रामायणम्, महाभारतम्, श्रीमद्भगवद्गीता, कादम्बरी, मृच्छकटिकम्, शिवराजविजयम्,
	चम्पूकाव्यम् (नलचम्पू) , मेघदूतम्, कुमारसम्भवम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं उत्तररामचरितम् का सामान्य परिचय।
	संस्कृत ग्रन्थ एवं रचनाकारों का सामान्य परिचय।
5	छन्दों का सामान्य परिचय।
6	वर्णों का उच्चारण स्थान एवं प्रकार।
7	शिक्षाशास्त्र – भाषा–कौशल– दैनिक जीवन की अभिव्यक्तियां।
8	संस्कृत शिक्षण की विधियां–प्रत्यक्ष विधि, अनुवाद विधि, व्याकरण विधि।
9	राष्ट्रीय शिक्षा नीति'2020 के संदर्भ में प्रावधान।

14/03/26 N. Rani 14.03.2026 14/03/2026 14/03/2026 14/3/26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)